आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–06 सितम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में परिवहन विभाग के कई गो सेवा क सुभारंभ अउर डिजिटल लोकार्पण आ सिलान्यास कइलें। येह मौका पर मुख्यमंत्री डेढ़ लाख जनसेवा केन्द्रन के जरिया से आम लोगिन तक ले पैंतालीस से बेसी सेवा पहुंचवले के सुविधों क सुभारंभ कइलें। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेस राज्य सड़क परिवहन निगम क सराहना करत कहलें–

परिवहन विभाग प्रदेश के पब्लिक ट्रांसपोर्ट का सबसे बड़ा माध्यम है। स्वभाविक रूप से देश का भी चौदह हजार बसें किसी एक निगम के पास हो और उसके माध्यम से संचालित हो रहे हों। तो उत्तर प्रदेश परिवहन निगम सफलता पूर्वक अपनी सेवाएं प्रदान करता है। उसके चैलेंजेज भी इतनी विशाल आबादी के लिए सुविधा के लिए और खास तौर पर अभी हालही में रक्षाबंधन के अवसर पर तीन दिनों तक तीन दिनों तक लगातार बस सेवा और वह भी बहनों को फ्री में बस सेवा को जो सुविधा अपने उपलब्ध करवाई वह और भी शानदार थी।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री चार सौ नया बस के हरियर झंडी दिखवले अउर पीपीपी मॉडल पर विकसित कइल जाए वाले सात गो आधुनिक बस स्टेसनन क सिलान्यास कइलें। येह मौका पर उहां के नो हेलमेट– नो फ्यूल अभियान के जनहित में बतावत लोगिन से सड़क सुरक्षा के नियमन क पालन करे क आह्वान कइलीं।

बहुत बार कानून लोगों को बहुत बुरा लगता है। लेकिन याद रखना यही कानून अंततःअपकी सुरक्षा और आपकी संरक्षण का अधार बनता है। पेट्रोल पंप ने इस समय अभियान चलाया है नो हेलमेट–नो फ्यूल यानी अगर आप हेलमेट नही पहनेंगे तो आपको हम तेल नही देंगे। हित में बाइकर्स का है कि वह अगर पहनकर के चलाता है दुर्भाग्य से कोई दुर्घटना होती है तो कम से कम जान तो बच जाएगी।

****

सरकार के हलिए में वस्तु अउर सेवा कर जीएसटी सुधार के बाद आवे वाला बाइस सितंबर से उपभोक्ता लोगिन के दैनिक उपयोग क कई गो समान क दाम कम हो जाई। जीएसटी परिषद अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के सरल बनाके एके पांच अउर अट्ठारह फीसदी के सलैब में बदल दिहले हवे। येह बदलाव से दवाई अउर दूध से लेके कार, साबुन आ आईपीएल टिकटों के सस्ता भइले क ओम्मेद हौ। एगो रिपोर्ट–

जीएसटी परिषद ने कई डेयरी उत्पादों को करो से छूट देने का फैसला किया है। पनीर छेना और अल्ट्रा हाई टेंपरेचर दूध जैसी वस्तुएं अब कर मुक्त हैं। इन पर अभी तक पांच प्रतिशत जीएसटी लगता था इसके अलावा मक्खन घी और पनीर जैसे डेरी उत्पादों पर अब जीएसटी घटकर 5 प्रतिशत किया गया है जो पहले 12 प्रतिशत था। इस सुधार से अपनी आजीविका के लिए दुधारू पशुओं पर निर्भर रहने वाले 8 करोड़ से अधिक ग्रामीण किसान परिवारों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। दृष्टि की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से आनंद पाठक।

****

उत्तर प्रदेस अधीनस्थ सेवा चयन आयोग–यूपीएसएसएससी क दुइ दिनन ले चले वाले प्रारंभिक अर्हता परीक्षा–पीईटी दुई हजार पचीस, आजु से प्रदेस के अड़तालिस जिलन में चौदह सौ ओन्यासी परीक्षा केन्द्रन पर सुरू भइल। पहिला पाली का परीक्षा भिन्नही दस बजे से बारह बजे ले अउर दूसरका पाली क परीक्षा दुपहरिया बाद तीन बजे से संझा पांच बजे ले पूरा भइल। परीक्षा के लेके केन्द्रन पर सुरक्षा व्यवस्था के साथे सहरी क्षेत्रन में यातायात प्रबंधन क पुरहर इंतिजाम कइल गइल रहल। ई परीक्षा सीसीटीवी कैमेरा के निगरानी में हो रहल हवे। दून्नो पालियन के परीक्षा के दौरान परसासन अउर पुलिस क अधिकारी परीक्षा केन्द्रन क जायजा लिहलें। परीक्षा बिहनों आयोजित कइल जाई। दुई दिन में मिला के पचीस लाख से बेसी अभ्यर्थी परीक्षा में सामिल हो रहल हवें।

****

गोरखपुर स्थित राज्य क पहिला महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय में बिहने से दुई दिन क अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार क आयोजन कइल जाई। आयुष विश्वविद्यालय क कुलपति प्रोफेसर के. रामाचन्द्रा रेड्डी बतवलें कि येह सेमिनार में देस के चउदह राज्यन के सथही कइ गो देसन क आयुष पद्धति क विसेसज्ञ सामिल होइहें।

****

सडकि किनारे ठेला, रेहड़ी लगावे वाले दुकानदारन के खाद्य सुरक्षा आ औषधि प्रसासन विभाग में लाइसेंस बनववले पर रूपिया नाही देवे के होई। येह बारे में गोरखपुर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, डॉक्टर सुधीर कुमार सिंह बतवलें कि ठेला अउर रेहड़ी वालन के खाद्य लाइसेंस लेवे बदे खाली पंजीकरण ही करावे के होई। उहां के बतवलीं कि हर तरह के खाद्य व्यवसाय बदे पंजीकरण आ लाइसेंस जरूरी बा।

****

प्रदेस के पश्चिमी इलाकन के कई गो जिलन में बरखा के चलते नदी उफान पर हइनि, त ओही पूरबी क्षेत्र के गोरखपुर अउर आस–पास के जिलन मे नदियन क जल स्तर खतरा के चिन्हा से बहुते निच्चे हवे। येह बिच्चे आजु दुपहरिया बाद गोरखपुर अउर लग्गे के इलाकन में बूंदाबांदी भइल। मौसम विभाग अगिला दुइ दिन्न में पूरबी जिलन में गरज चमक के साथे बौछार पड़ले क अनुमान जतवले हवे।

****